CBSE 12th 2024 Compartment Hindi (Elective)Set-2 (29/S/2) Solutions

---

खण्ड अ
(बहुविकल्पी/वस्तुपरक प्रश्न)

Q.1. निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित दिए गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए :

जब-जब दुख की रात घिरी तब-तब मैं गाना खुलकर गाता रहा, अँधेरे में स्वर मेरा और उदात्त हो गया, सीखा नहीं छिपाना मैंने मन के भाव, देखकर घोर अँधेरा । दीप स्वरों के पथ पर रखता मैं एकाकी बढ़ता रहा, रुका कब ? इनकी उनकी आशा मुझे नहीं थी विषपायी था, कभी सुधा की चाह नहीं की, न ही अमरता की परिभाषा गढ़ने बैठा, डर क्या है, अब वह भी बीते जो बाकी है, आघातों प्रत्याघातों में नया सत्य आएगा, हार नहीं मैं जीते जी मानूँगा, और लड़ूंगा उत्पातों में दुख के गाने कंठ-कंठ के हैं पहचाने सबके प्राण तड़पते हैं जाने-अनजाने ।।

(i) पद्यांश में कवि ने मन के भावों को क्या माना है ?
(A) बादलों की गड़गड़ाहट
(B) घोर अँधेरा
(C) संगीत की ध्वनि
(D) जल प्रवाह

(ii) कवि ने विपरीत परिस्थितियों का सामना किया :
(A) डरकर
(B) गाकर
(C) खुलकर
(D) रोकर

(iii) घोर अँधेरी रात देखकर कवि ने क्या किया ?
(A) मार्ग प्रशस्त करने के लिए अकेला ही आगे बढ़ गया ।
(B) अपने-परायों से सहायता की उम्मीद की ।
(C) अंधकार से भयभीत होकर पीछे हट गया ।
(D) अपने-परायों की सहायता से आगे बढ़ गया ।

collegedunia
India's largest Student Review Platform

(iv) कवि ने अमृत की चाह क्यों नहीं की **?**
(A) उसे अमृत दुखदायी लगता था ।
(B) वह विष पीने का आदी था ।
(C) उसे अमृत अच्छा नहीं लगता था ।
(D) वह अमर नहीं होना चाहता था ।

(v) **"**आघातों-प्रत्याघातों में**"** का आशय है **:**
(A) विघ्न बाधाओं में
(B) वाद-विवाद में
(C) विचारों के समूह में
(D) तर्क-वितर्क में

(vi) कवि का उद्घोष क्या है **?**
(A) हार स्वीकार कर लेने का
(B) हार नहीं स्वीकारने का
(C) जीवन भर हारते रहने का
(D) पराजय में आनंदित होने का

(vii) **'**उत्पातों**'** शब्द से कवि का अभिप्राय है **:**
(A) उल्कापातों से
(B) उपद्रवों से
(C) ऊपर उठकर गिरने से
(D) आमंत्रणों से

(viii) **'**दुख की व्यथा सर्वव्यापी है**'** इस भाव को व्यक्त करने वाली पंक्ति है **:**
(A) सबके प्राण तड़पते हैं जाने-अनजाने
(B) हार नहीं जीते जी मानूँगा
(C) और लड़ूंगा उत्पातों से
(D) आघातों प्रत्याघातों में नया सत्य आएगा ।
Solution. (i) (B) घोर अँधेरा

(ii) (C) खुलकर

(iii) (A) मार्ग प्रशस्त करने के लिए अकेला ही आगे बढ़ गया।

collegedunia
India's largest Student Review Platform

(iv) (D) वह अमर नहीं होना चाहता था।

(v) (A) विघ्न बाधाओं में

(vi) (B) हार नहीं स्वीकारने का

(vii) (B) उपद्रवों से

(viii) (A) सबके प्राण तड़पते हैं जाने-अनजाने

Q.2. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए :

सुख तथा दुख में साथ देने वाला तथा समान क्रिया वाला मित्र कहलाता है । वस्तुतः, मित्रता दो हृदयों को बाँधने वाली प्रेम की डोर है। मनुष्य जीवन के पथ पर एकाकी चलने में कठिनाई का अनुभव करता है, उसे ऐसे व्यक्ति की खोज रहती है जो उसके हर्ष और विषाद में साथ देने वाला हो, जिसके सामने वह मन-प्राणों की कोई लिपि गुप्त न रहने दे, जिसके ऊपर अपने विश्वास की दीवार खड़ी कर सके। अतः मित्रता मन की वह प्यास है जिसके लिए मनुष्य तड़पता रहता है और वह व्यक्ति बड़ा ही भाग्यवान् है जिसकी यह प्यास बुझ जाती है। इसलिए मित्रता का बड़ा गुणगान किया जाता है । बाइबिल में कहा गया है कि 'एक विश्वासी मित्र जीवन के लिए महौषध है'। सच्चे मित्र जीवन में आनन्द की वर्षा करते हैं। सन्मित्र जीवन के निराधार सागर में सुदृढ़ कर्णधार की भाँति प्रेम नाव लेकर उस पार लगा देते हैं। किन्तु यदि मित्रता असली हो तब तो वह स्वर्गीय प्रकाश है, यदि नकली हो तो नारकीय अंधकार । सच्ची मित्रता फॉस्फोरस की तरह ज्योति फैलाकर मित्र के संकट के अंधकार को क्षणभर में दूर कर देती है। सज्जनों से मित्रता की छाया दोपहर के बाद की छाया की तरह बढ़ती जाती है। इसके विपरीत दुष्टों से मित्रता सुबह की छाया की तरह पहले तो काफी बड़ी लगती है लेकिन बीच दोपहर में ही छोटी हो जाती है। अतः मित्र के चयन में सावधानी रखनी चाहिए । सच्चा मित्र, मित्र की सदा भलाई चाहता है, उसके लिए अपने प्राणों की आहुति देने के लिए भी तैयार रहता है। वह बराबर अपने मित्र को बुरे मार्ग पर जाने से रोकता है तथा सुपथ पर चलाने का प्रयास करता है। ठीक इसके विपरीत कपटी मित्र बड़े घातक होते हैं, उनकी मित्रता केवल शब्दों की मित्रता होती है। ये मित्र को ललकारकर आगे तो बढ़ा देते हैं किन्तु पीछे से लंगी मारने में इन्हें न संकोच होता है और न लाज ही लगती है। मित्रों के पास ये तभी तक मँडराते रहते हैं जब तक उनके पास लुटाने को पैसे होते हैं किन्तु दीनता और संकट में साथ छोड़ देते हैं। ऐसे मित्रों

collegedunia
India's largest Student Review Platform

को उस कुंभ के समान छोड़ देना चाहिए जिसके ऊपर तो दूध हो और नीचे विष भरा हो। वे सचमुच भाग्यशाली हैं जिन्हें कोई सच्चा मित्र मिल जाता है। समान पुरुषों की मिताई हो जाय तो अच्छा, किन्तु यदि असमान स्थिति वाले सहृदय लोगों में वह मित्रता हो तो क्या कहना !

(i) गद्यांश के अनुसार मानव को जीवन में मित्र की तलाश क्यों रहती है **?**
(A) दुख दूर करने के लिए
(B) दो हृदयों को बाँधने के लिए
(C) एकाकी जीवन की कठिनाइयों से बचने के लिए
(D) कठिन परिस्थितियों में मार्गदर्शन के लिए

(ii) सच्ची मित्रता का क्या लक्षण है **?**
(A) मित्र के गुणों का बखान करना
(B) सुख-दुख में साथ निभाना
(C) जीवन में आनंद की वर्षा करना
(D) मित्र के साथ हास-परिहास करना

(iii) गद्यांश के अनुसार सज्जनों की मित्रता है **:**
(A) सुबह की घनी छाया
(B) दोपहर की छोटी छाया
(C) दोपहर बाद की छाया
(D) रात्रि की घनी छाया

(iv) 'दुर्जनों की मित्रता रूपी छाया दोपहर में ही छोटी हो जाती है।' आशय है **:** इस कथन का
(A) इनकी मित्रता कुछ समय के लिए ही होती है।
(B) संकट आते ही दुर्जन मित्र को बीच में छोड़ देते हैं ।
(C) दोपहर की छाया दुर्जनों के समान होती है।
(D) दोपहर का ताप दुर्जनों के समान कष्टदायी है।
(v) वास्तविक मित्रता के लिए गद्यांश में कहा गया है **:**
(A) स्वर्गीय आभा
(B) स्वर्गीय सुमन
(C) नारकीय अंधकार
(D) स्वर्गीय प्रकाश

collegedunia
India's largest Student Review Platform

(vi) गद्यांश के आधार पर मित्रता कैसी होनी चाहिए **?**
(A) दोपहर में ही कम हो जाने वाली धूप की तरह
(B) दोपहर के बाद की छाया की तरह
(C) सुबह की भरपूर छाया की तरह
(D) दिनभर की छाया की तरह बढ़ती-घटती

(vii) **'पीछे से लंगी मारना'** का अर्थ है **:**
(A) लाठी मारना
(B) बाधा उपस्थित करना
(C) तलवार चलाना
(D) धोखा देना

(viii) गद्यांश के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा कथन सही है **?**
(A) सच्चा मित्र संकटों के पहाड़ को दूर करता है।
(B) मित्र के दुख में दुखी न होने वाले व्यक्ति को देखने से पाप लगता है।
(C) सच्चा मित्र अपने दुख से बड़ा मित्र का दुख मानता है ।
(D) मित्र की इच्छानुसार काम करने वाला व्यक्ति ही सच्चा मित्र है।

(ix) गद्यांश में दीनता और संकट में साथ छोड़ने वाले मित्र की तुलना की गई है **:**
(A) नीचे विष ऊपर दूध से भरा कुंभ
(B) विष से भरा पूरा कुंभ
(C) दूध से भरा पूरा कुंभ
(D) नीचे दूध और ऊपर विष से भरा कुंभ

(x) गद्यांश में उत्तम मित्रता मानी गई है **:**
(A) असमान व्यक्तियों के बीच होने वाली
(B) समान व्यक्तियों के बीच होने वाली
(C) समान-असमान व्यक्तियों के बीच होने वाली
(D) दो अनजान व्यक्तियों के बीच होने वाली

Solution. (i) (C) एकाकी जीवन की कठिनाइयों से बचने के लिए

(ii) (B) सुख-दुख में साथ निभाना

(iii) (C) दोपहर बाद की छाया

collegedunia
India's largest Student Review Platform

(iv) (A) इनकी मित्रता कुछ समय के लिए ही होती है।

(v) (D) स्वर्गीय प्रकाश

(vi) (B) दोपहर के बाद की छाया की तरह

(vii) (D) धोखा देना

(viii) (C) सच्चा मित्र अपने दुख से बड़ा मित्र का दुख मानता है।

(ix) (A) नीचे विष ऊपर दूध से भरा कुंभ

(x) (B) समान व्यक्तियों के बीच होने वाली

(अभिव्यक्ति और माध्यम पुस्तक पर आधारित प्रश्न**)**

Q.3. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए **:**

(i) जनसंचार के विभिन्न माध्यमों की सुंदरता होती है **:**
(A) छह ऋतुओं की छटा के समान
(B) इन्द्रधनुषी रंगों की छटा के समान
(C) वसंत ऋतु के दृश्यों के समान
(D) वर्षा की रिमझिम के समान

(ii) मुद्रित माध्यमों में लेखन के लिए आवश्यक होता है **:**
(A) भाषा, व्याकरण, वर्तनी और शैली का ध्यान रखना
(B) प्रकाशन में समय की चिन्ता से मुक्त रहना
(C) समय और स्थान के अनुशासन की चिन्ता न करना
(D) भाषा संबंधी अशुद्धियों पर गौर न करना

(iii) जब कोई बड़ी खबर तत्काल दर्शकों तक पहुँचाई जाती है, तो उसे कहते हैं **:**
(A) लाइव

collegedunia
India's largest Student Review Platform

(B) ब्रेकिंग न्यूज
(C) एंकरबाइट
(D) फोन-इन

(iv) केवल इन्टरनेट पर मौजूद अख़बार का नाम है :
(A) प्रभात खबर
(B) हिंदुस्तान टाइम्स
(C) प्रभासाक्षी
(D) नवभारत टाइम्स

(v) सूचनाओं के साथ-साथ मनोरंजन पर भी ध्यान दिए जाने वाले सुव्यवस्थित, सृजनात्मक, आत्मनिष्ठ लेखन को कहते हैं:
(A) आलेख
(B) फ़ीचर
(C) संपादकीय
(D) विशेष लेखन

Solution. (i) (B) इन्द्रधनुषी रंगों की छटा के समान

(ii) (A) भाषा, व्याकरण, वर्तनी और शैली का ध्यान रखना

(iii) (B) ब्रेकिंग न्यूज

(iv) (C) प्रभासाक्षी

(v) (B) फ़ीचर

(पाठ्य-पुस्तक पर आधारित प्रश्न)

Q.4. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित दिए गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए :

बूढ़ी माता, बोली "मैं तो बबुआ से कह रही थी कि जाकर दीदी को लिवा लाओ, यहीं रहेगी। वहाँ अब क्या रह गया है ? ज़मीन-जायदाद तो सब चली ही गई । तीनों देवर अब शहर में जाकर बस गए हैं। कोई खोज खबर भी नहीं लेते। मेरी बेटी अकेली ...।" "नहीं मायजी !

collegedunia
India's largest Student Review Platform

ज़मीन-जायदाद अभी भी कुछ कम नहीं। जो है, वही बहुत है। टूट भी गई है, है तो आखिर बड़ी हवेली ही। 'सवांग' नहीं है, यह बात ठीक है! मगर, बड़ी बहुरिया का तो सारा गाँव ही परिवार है। हमारे गाँव की लक्ष्मी है बड़ी बहुरिया । ... गाँव की लक्ष्मी गाँव को छोड़कर शहर कैसे जाएगी? यों, देवर लोग हर बार आकर ले जाने की ज़िद करते हैं।"

(i) प्रस्तुत गद्यांश का संवाद किनके बीच का है ?
(A) हरगोबिन और बड़ी बहुरिया के भाई के बीच का
(B) हरगोबिन और बड़ी बहुरिया की बूढ़ी माँ के बीच का
(C) संवदिया और बड़ी बहुरिया के बीच का
(D) हरगोबिन और संवदिया के बीच का

(ii) बूढ़ी माता के कथन में उसके मन का कौन-सा भाव प्रकट हो रहा है ?
(A) जमीन-जायदाद का चले जाना
(B) बेटी के अकेलेपन का दुख
(C) तीनों देवरों का शहर में जा बसना
(D) बेटी का कोई संरक्षक न होना

(iii) बूढ़ी माता की चिंता को हरगोबिन ने कैसे शांत किया ?
(A) आत्म प्रशंसा करके
(B) बड़ी हवेली का महत्त्व बताकर
(C) बड़ी बहुरिया को सुखी बताकर
(D) बड़ी बहुरिया को गाँव के परिवार का अंग बताकर
(iv) हरगोबिन ने बड़ी हवेली का बड़प्पन क्यों बखाना ?
(A) बूढ़ी माता को खुश करने के लिए
(B) अपनी झूठ बोलने की आदत दिखाने के लिए
(C) व्यवहार कुशलता दिखाने के लिए
(D) बोलने की अपनी चतुरता दिखाने के लिए

(v) "हमारे गाँव की लक्ष्मी है, बड़ी बहुरिया" हरगोबिन ने ऐसा क्यों कहा ?
(A) बूढ़ी माँ को निरुत्तर करने के लिए
(B) बूढ़ी माँ को बेटी की तरफ से चिंता मुक्त करने के लिए
(C) बड़ी हवेली का महत्त्व बढ़ाने के लिए
(D) बूढ़ी माँ को बड़ी हवेली ले जाने के लिए

Solution. (i) (B) हरगोबिन और बड़ी बहुरिया की बूढ़ी माँ के बीच का

collegedunia
India's largest Student Review Platform

(ii) (B) बेटी के अकेलेपन का दुख

(iii) (D) बड़ी बहुरिया को गाँव के परिवार का अंग बताकर

(iv) (A) बूढ़ी माता को खुश करने के लिए

(v) (B) बूढ़ी माँ को बेटी की तरफ से चिंता मुक्त करने के लिए

Q..5 निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित दिए गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए :

फरइ कि कोदव बालि सुसाली । मुकता प्रसव कि संबुक काली ।। सपनेहुँ दोसक लेसु न काहू । मोर अभाग उदधि अवगाहू ।। बिनु समुझें निज अघ परिपाकू । जारिउँ जायँ जननि कहि काकू ।। हृदयँ हेरि हारेउँ सब ओरा । एकहि भाँति भलेंहि भल मोरा ।। गुर गोसाइँ साहिब सिय रामू । लागत मोहि नीक परिनामू ।।

(i) काव्यांश में आए **'कोदव'** का अर्थ है **:**

(A) मोटा चावल
(B) उत्तम अनाज
(C) सुगंधित चावल
(D) खाने योग्य चावल

(ii) कवि ने भरत के दुर्भाग्य की तुलना किससे की है **?**

(A) घनघोर बादल से
(B) अथाह समुद्र से
(C) विशाल पृथ्वी से
(D) अचल नगराज से

(iii) **'**जारिउँ जायँ जननि कहि काकू**'** का आशय है **:**

(A) माता की बहुत सेवा की है
(B) माता की आज्ञा का पालन नहीं किया है
(C) माता को देखने नहीं गया
(D) माता को कटुवचन कहकर बहुत सताया है

collegedunia
India's largest Student Review Platform

(iv) भरत स्वयं के जीवन में आने वाली स्थितियों के लिए दोषी मानते हैं **:**
(A) माता कैकेयी को
(B) राजा दशरथ को
(C) अपने भाग्य को
(D) दासी मंथरा को

(v) काव्यांश में किसके प्रेम का वर्णन है **?**
(A) भरत का कैकेयी के प्रति
(B) राम का कौशल्या के प्रति
(C) राम का कैकेयी के प्रति
(D) भरत का राम के प्रति

Solution. (i) (B) इन्द्रधनुषी रंगों की छटा के समान

(ii) (A) भाषा, व्याकरण, वर्तनी और शैली का ध्यान रखना

(iii) (B) ब्रेकिंग न्यूज

(iv) (C) प्रभासाक्षी

(v) (B) फ़ीचर

(पूरक पाठ्य-पुस्तक पर आधारित प्रश्न**)**

Q.6. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए **:**

(i) "भैरों को दम के दम इतने रुपए मिल गए अब यह मौज उड़ाएगा ऐसा ही कोई माल मेरे हाथ भी पड़ जाता तो ज़िंदगी सफल हो जाती**"** यह कथन है **:**
(A) भैरों का
(B) सुभागी का
(C) जगधर का
(D) बजरंगी का

collegedunia
India's largest Student Review Platform

(ii) "सूरदास गर्म राख में कुछ टटोल रहा था" लेखक ने उसे अभिलाषाओं की राख क्यों कहा है ?
(A) झोंपड़ी जलकर उसका फूस राख में परिवर्तित होने के कारण
(B) ज़िंदगीभर की उसकी जमा पूँजी के नष्ट हो जाने के कारण
(C) राख में पोटली न मिलने पर उसकी अभिलाषाओं का अंत होने के कारण
(D) पोटली खोजने के प्रयास में पैर फिसल जाने से गहराई में गिर जाने के कारण

(iii) निम्नलिखित कथन और कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और सही विकल्प चुनकर लिखिए :
कथन: गाँवों का जीवन सीधा-सादा होता है।
कारण : गाँवों में प्रकृति का स्वच्छंद और निर्मल रूप दिखाई देता है ।
विकल्प : **(A)** कथन सही है, लेकिन कारण ग़लत है।
(B) कथन ग़लत है, लेकिन कारण सही है।
(C) कथन तथा कारण दोनों सही हैं तथा कारण, कथन की सही व्याख्या करता है। **(D)** कथन सही है, लेकिन कारण, कथन की ग़लत व्याख्या करता है।

(iv) फूलों की गंध से अनेक बीमारियों से बचाव का उल्लेख :
(A) एक परंपरा है
(B) एक अंधविश्वास है
(C) एक दंतकथा है
(D) एक कही सुनी बात है

(v) नर्मदा नदी के चिढ़ने और तिनतिन फिनफिन करके बहने का कारण था :
(A) उसके पानी का प्रदूषित हो जाना
(B) उस पर विशाल बाँध बनाया जाना
(C) उसके पानी का दोहन किया जाना
(D) उसके किनारे पर निर्माण किया जाना

(vi) 'बिस्कोहर की माटी' कथा के केंद्र में है :
(A) फूल और फल
(B) बिस्कोहर और बिसनाथ
(C) गाँव और वातावरण
(D) साँप और सब्ज़ी

collegedunia
India's largest Student Review Platform

(vii) स्तंभ-**I** में दिए गए पदों को स्तंभ-**II** में दिए गए प्रतीकार्थों से सुमेलित कीजिए और सही विकल्प चुनकर लिखिए :

स्तंभ-**1**	स्तंभ-**II**
1. ओंकारेश्वर	**(i)** बाँध
2. गाँधी सागर	**(ii)** पर्वत
3. कालीसिंध	**(iii)** नदी
4. जानापाव	**(iv)** तीर्थस्थल विकल्प :

(A) 1-(i), 2-(iii), 3-(iv), 4-(ii)
(B) 1-(iii), 2-(iv), 3-(i), 4-(ii)
(C) 1-(iv), 2-(i), 3-(iii), 4-(ii)
(D) 1-(ii), 2-(iii), 3-(i), 4-(iv)

Solution. (i) (B) सुभागी का

(ii) (B) ज़िंदगीभर की उसकी जमा पूँजी के नष्ट हो जाने के कारण

(iii) (C) कथन तथा कारण दोनों सही हैं तथा कारण, कथन की सही व्याख्या करता है।

(iv) (B) एक अंधविश्वास है

(v) (B) उस पर विशाल बाँध बनाया जाना

(vi) (B) बिस्कोहर और बिसनाथ

(vii) (C) 1-(iv), 2-(i), 3-(iii), 4-(ii)

खण्ड ब
(वर्णनात्मक प्रश्न)
(जनसंचार और सृजनात्मक लेखन पर आधारित प्रश्न)

Q. 7. निम्नलिखित तीन शीर्षकों में से किसी एक शीर्षक पर लगभग **100** शब्दों में रचनात्मक लेख लिखिए :
(क) सावन का महीना
(ख) पहाड़ों पर जीवन

collegedunia
India's largest Student Review Platform

(ग) घटती दूरियों का संसार

Solution. (क) सावन का महीना

सावन का महीना भारतीय मौसम का सबसे मनमोहक और खुशहाल समय होता है। यह महीना वर्षा के मौसम की शुरुआत का संकेत देता है, जब बादल आकर धरती को हरित आभा से भर देते हैं। सावन की रिमझिम बौछारें फसलों को जीवन देती हैं और प्रकृति को नयापन प्रदान करती हैं। गाँवों में सावन की उमंग और मस्ती का अलग ही माहौल होता है, लोग त्योहार मनाते हैं, हरी-भरी वादियों में घूमते हैं और बारिश का आनंद लेते हैं। सावन की नर्म ठंडी हवा और मिट्टी की सौंधी खुशबू वातावरण को ताजगी और शांति का अहसास कराती है। यह महीना प्रेम और स्नेह का प्रतीक भी होता है, जिसमें प्रेमी-प्रेमिकाएँ एक-दूसरे के साथ समय बिताते हैं और सावन की मस्ती में खो जाते हैं।

(ख) पहाड़ों पर जीवन

पहाड़ों पर जीवन अपने आप में एक अनूठा अनुभव है। यहाँ की ठंडी हवा, हरी-भरी वादियाँ, और शांत वातावरण जीवन को एक नई दिशा देते हैं। पहाड़ी जीवन में साधारणतया लोग खुद को प्रकृति के करीब महसूस करते हैं। यहाँ के निवासी अपनी मेहनत और सादगी के लिए जाने जाते हैं, जो अपनी कृषि और पशुपालन के माध्यम से जीवन यापन करते हैं। पहाड़ों की जीवनशैली में कठिनाइयाँ भी हैं—साधन-संसाधनों की कमी, कठिन रास्ते, और मौसम की चुनौतियाँ। लेकिन इन सबके बावजूद, पहाड़ों का जीवन एक प्रकार की आत्मनिर्भरता और प्रकृति से एकता का प्रतीक होता है। यहाँ की सुंदरता और शांति मानसिक शांति और खुशी का अहसास कराती है, जिससे पहाड़ी जीवन विशेष रूप से प्रिय बन जाता है।

(ग) घटती दूरियों का संसार

घटती दूरियों का संसार आज के युग की एक बड़ी उपलब्धि है। तकनीकी विकास ने भौगोलिक सीमाओं को मिटा दिया है और लोगों को एक-दूसरे के करीब ला दिया है। इंटरनेट, स्मार्टफोन, और सोशल मीडिया के माध्यम से हम आसानी से दुनिया के किसी भी कोने में रह रहे अपने प्रियजनों से संपर्क कर सकते हैं। वीडियो कॉल, त्वरित संदेश, और डिजिटल संचार ने संवाद को तुरंत और सुलभ बना दिया है। इस तकनीकी युग ने व्यापार, शिक्षा, और सामाजिक संबंधों में भी क्रांति ला दी है। हालांकि, यह भी महत्वपूर्ण है कि हम इस सौरभ से जुड़े रहकर व्यक्तिगत संपर्क और रिश्तों की गर्मी को न भूलें। घटती

collegedunia
India's largest Student Review Platform

दूरियाँ न केवल सुविधाजनक हैं बल्कि जीवन को एक नया दृष्टिकोण और संभावनाएँ भी प्रदान करती हैं।

Q. 8. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर लगभग **60** शब्दों में उत्तर लिखिए **: (क)** फ़ीचर लेखन में प्रारंभ**,** मध्य और अंत के लेखन का महत्त्व क्या है**?** समझाकर लिखिए। **(ख)** विशेष लेखन की भाषा और शैली पर प्रकाश डालिए।

Solution. (क) फ़ीचर लेखन में प्रारंभ, मध्य और अंत के लेखन का महत्त्व**

फ़ीचर लेखन में प्रारंभ, मध्य और अंत की संरचना का महत्वपूर्ण योगदान होता है। प्रारंभ में, लेखक को पाठकों को आकर्षित करने और विषय की बुनियादी जानकारी प्रदान करने की आवश्यकता होती है। यह भाग मुद्दे का परिचय और पाठकों को जिज्ञासु बनाने का काम करता है। मध्य भाग में, लेखक मुद्दे के विभिन्न पहलुओं को विस्तार से प्रस्तुत करता है, तथ्यों और उदाहरणों के माध्यम से समझाता है और पठनीयता को बनाए रखता है। अंत में, लेखक निष्कर्ष पर पहुँचता है, जो पाठकों को संक्षिप्त रूप में मुख्य बिंदुओं को पुनः याद कराता है और एक प्रभावशाली समाप्ति करता है। यह संरचना फ़ीचर लेख को व्यवस्थित और प्रभावी बनाती है।

(ख) विशेष लेखन की भाषा और शैली

विशेष लेखन की भाषा और शैली विशिष्ट और सूक्ष्म होती है। इसमें लेखक को विषय के प्रति गहराई से अवलोकन और विश्लेषण करना होता है। भाषा अक्सर संतुलित और औपचारिक होती है, जिसमें स्पष्टता और संक्षिप्तता पर जोर दिया जाता है। विशेष लेखन में शब्दों की चयनितता और परिष्कृत शैली महत्वपूर्ण होती है ताकि पाठक को सामग्री के गहरे अर्थ को समझने में सहायता मिले। लेखक आमतौर पर तथ्यों, आंकड़ों, और उदाहरणों का उपयोग करते हैं, और व्यक्तिगत राय और व्याख्या को भी शामिल करते हैं ताकि लेख की प्रभावशीलता और गहराई बनी रहे।

Q.9. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग **60** शब्दों में लिखिए **:**
(क) साहित्य की अन्य विधाओं की तुलना में कविता हमारे मन को क्यों छू लेती है **?**

(ख) नाटक की घटनाओं को वर्तमान में घटित होते क्यों दिखाया जाता है **?**

(ग) कहानी में संवाद के लिए किस प्रकार के संवादों को महत्त्वपूर्ण माना जाता है **?**

collegedunia
India's largest Student Review Platform

Solution. (क) कविता की विशेषता उसकी संक्षिप्तता और गहन भावनात्मक प्रभाव में है। कविता छोटे, संक्षिप्त रूप में गहरे भावनात्मक और मानसिक अनुभवों को व्यक्त करती है, जो सामान्यतः अन्य साहित्यिक विधाओं में कठिन होता है। इसके शब्द, ध्वनि, लय और छवियाँ सीधे हृदय तक पहुँचती हैं, जिससे पाठक के अंदर गहरी भावनाओं और संवेदनाओं को उत्तेजित किया जाता है। कविता के शिल्प और शैली के चलते, यह पाठकों के मन को विशेष रूप से छूने और प्रभावित करने में सक्षम होती है।

(ग) कहानी में संवाद तब महत्त्वपूर्ण होते हैं जब वे चरित्रों की पहचान, उनकी भावनाओं और विचारों को स्पष्ट करते हैं। प्रभावी संवाद उन क्षणों को उजागर करते हैं जब पात्रों की आंतरिक दुनिया बाहर आती है और कहानी की प्रगति को गति देती है। संवादों को वास्तविक और स्वाभाविक होना चाहिए, जिससे पाठक पात्रों के साथ जुड़ाव महसूस कर सके। ये संवाद कथानक को आगे बढ़ाने, पात्रों की गतिशीलता को दिखाने और पाठकों के अनुभव को समृद्ध करने में सहायक होते हैं।

(पाठ्य-पुस्तक पर आधारित प्रश्न)

Q.10 पद्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग **40** शब्दों में लिखिए **:**

(क) **'देवसेना का गीत'** कविता के आधार पर लिखिए कि जीवन संध्या की बेला में देवसेना अपने विगत जीवन को याद कर अश्रु क्यों बहाने लगती है।

(ख) **'यह दीप अकेला'** कविता में दीप के स्नेह और गर्व से भरा होने पर भी पंक्ति को देने की बात क्यों कही गई है**?**

(ग) **'कुसुमित कानन हेरि कमलमुखि'** पद के आधार पर विद्यापति की नायिका की विरह वेदना का वर्णन कीजिए।

Solution. **(क) 'देवसेना का गीत' कविता के आधार पर लिखिए कि जीवन संध्या की बेला में देवसेना अपने विगत जीवन को याद कर अश्रु क्यों बहाने लगती है।**

'देवसेना का गीत' कविता में जीवन की संध्या बेला में देवसेना अपने पूर्व के संघर्षों और त्याग की यादों में खो जाती है। वह अपने जीवन की कठिनाइयों, सपनों और अधूरी

collegedunia
India's largest Student Review Platform

इच्छाओं को याद करके अश्रुपूरित हो जाती है। जीवन के अंत के करीब आकर, वह अपनी बीती जिंदगी की अनुपम और अनकही कहानियों को पुनः जीती है, जो उसे भावुक बना देती है। यह समय उसके लिए आत्ममंथन और विगत की स्वीकृति का समय होता है।

(ग) 'कुसुमित कानन हेरि कमलमुखि' पद में विद्यापति की नायिका की विरह वेदना को सुंदरता और संवेदनशीलता के साथ चित्रित किया गया है। नायिका के विरह की पीड़ा उसकी तनहाई और प्यार की गहरी चाह को प्रकट करती है। वह अपने प्रेमी की अनुपस्थिति से इतनी व्यथित है कि उसे हर सुख और सौंदर्य अधूरा लगने लगता है। उसकी भावनाओं का गहरा असर उसकी व्यथा को व्यक्त करता है, जिससे वह जीवन की सभी सुंदरता के बावजूद दुखी और अकेली महसूस करती है।

Q.11. गद्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग **40** शब्दों में लिखिए **:**

(क) "आचार्य शुक्ल के मन में हिंदी साहित्य के प्रति झुकाव का बीजारोपण उनके पिता द्वारा बचपन में ही किया गया था।**"** पाठ के आधार पर सिद्ध कीजिए।

(ख) भीष्म साहनी का सेवाग्राम में गाँधी के साथ सान्निध्य का कैसा अनुभव था **?** अपने शब्दों में लिखिए।

(ग) 'शेर' कहानी के आधार पर लिखिए कि अहिंसावादी**,** न्यायप्रिय और बुद्ध का अवतार प्रतीत होने वाला शेर अपनी असलियत में क्यों आ जाता है।

Solution. (क) आचार्य शुक्ल के मन में हिंदी साहित्य के प्रति झुकाव का बीजारोपण उनके पिता ने बचपन में ही किया था। उनके पिता ने शुक्ल को हिंदी साहित्य की कहानियाँ और काव्य सुनाया, जिससे उनके मन में साहित्य के प्रति गहरी रुचि और स्नेह विकसित हुआ। यह प्रभावी शिक्षा उनके साहित्यिक जीवन की नींव बनी।

(ग) 'शेर' कहानी में अहिंसावादी और न्यायप्रिय प्रतीत होने वाला शेर अपनी असलियत में आ जाता है क्योंकि वह अंततः अपनी स्वाभाविक प्रवृत्तियों के प्रति झुकता है। उसकी दयालुता और शांति के मुखौटे के पीछे उसका असली स्वभाव छिपा था। जब शेर को अपनी वास्तविकता का सामना करना पड़ता है, तो वह हिंसात्मक और स्वार्थी रूप में सामने आता है। यह उसके प्राकृतिक स्वभाव की स्वीकृति है, जो कि अंततः प्रकट होता है।

Q.12. निम्नलिखित में से किसी एक काव्यांश की प्रसंग सहित व्याख्या कीजिए

collegedunia
India's largest Student Review Platform

(क) के पतिआ लए जाएत रे मोरा पिअतम पास । हिए नहि सहए असह दुख रे भेल साओन मास ।। एकसरि भवन पिआ बिनु रे मोहि रहलो न जाए । सखि अनकर दुख दारुन रे जग के पतिआए ।। मोर मन हरि हर लए गेल रे अपनो मन गेल । गोकुल तेजि मधुपुर बस रे कन अपजस लेल ।।
अथवा

(ख) इस शहर में धूल धीरे-धीरे उड़ती है धीरे-धीरे चलते हैं लोग धीरे-धीरे बजते हैं घंटे शाम धीरे-धीरे होती है यह धीरे-धीरे होना धीरे-धीरे होने की सामूहिक लय दृढ़ता से बाँधे है समूचे शहर को इस तरह कि कुछ भी गिरता नहीं है कि हिलता नहीं है कुछ भी कि जो चीज़ जहाँ थी वहीं पर रखी है कि गंगा वहीं है कि वहीं पर बँधी है नाव कि वहीं पर रखी है तुलसीदास की खड़ाऊँ सैकड़ों बरस से

Solution. काव्यांश की प्रसंग सहित व्याख्या

(क) काव्यांश:

(क) पतिआ लए जाएत रे मोरा पिअतम पास । हिए नहि सहए असह दुख रे भेल साओन मास ।। एकसरि भवन पिआ बिनु रे मोहि रहलो न जाए । सखि अनकर दुख दारुन रे जग के पतिआए ।। मोर मन हरि हर लए गेल रे अपनो मन गेल । गोकुल तेजि मधुपुर बस रे कन अपजस लेल ।।

प्रसंग:

यह काव्यांश कवि की व्यक्तिगत भावनाओं और पीड़ा को दर्शाता है, विशेष रूप से प्रेमी के बिना रहने की कष्टकारी स्थिति को। इस कविता में कवि ने अपने प्रेमी के बिना बिताए गए समय के दुख और सर्दी के मौसम की निराशाजनक स्थिति का वर्णन किया है। यह काव्यांश विशेष रूप से "साओन मास" (सावन का महीना) के समय की कठिनाइयों को चित्रित करता है जब कवि के दिल में प्रेमी की अनुपस्थिति के कारण गहन दुख और पीड़ा होती है।

व्याख्या:

इस काव्यांश में कवि अपने प्रिय के बिना होने की पीड़ा और दुख को व्यक्त करता है। कवि कहता है कि सावन का महीना (साओन मास) असहनीय दुख और दर्द लेकर आता है,

collegedunia
India's largest Student Review Platform

क्योंकि इस मौसम में उसने अपने प्रिय के बिना समय बिताया है। उसे इस स्थिति में दुख की एक असहनीय अनुभूति हो रही है, जिसमें उसे न तो कहीं सुख की खोज मिल रही है और न ही अपने प्रिय के बिना वह अपना दिल थाम सकता है।

कवि इस समय को अत्यंत कठिन और दुःखद मानते हैं और अन्य लोगों के दुखों को भी देखते हैं, जो उनके अपने दुख के साथ जुड़ जाते हैं। कवि की भावनाएं गहन और सच्ची हैं, क्योंकि उन्होंने अपने मन की स्थिति को सच्चाई से उजागर किया है। इस तरह की कविता भावनात्मक गहराई और प्रेम की असहनीयता को उजागर करती है, जो प्रेमी की अनुपस्थिति में और भी बढ़ जाती है।

(ख) काव्यांश:
इस शहर में धूल धीरे-धीरे उड़ती है धीरे-धीरे चलते हैं लोग धीरे-धीरे बजते हैं घंटे शाम धीरे-धीरे होती है यह धीरे-धीरे होना धीरे-धीरे होने की सामूहिक लय दृढ़ता से बाँधे है समूचे शहर को इस तरह कि कुछ भी गिरता नहीं है कि हिलता नहीं है कुछ भी कि जो चीज़ जहाँ थी वहीं पर रखी है कि गंगा वहीं है कि वहीं पर बँधी है नाव कि वहीं पर रखी है तुलसीदास की खड़ाऊँ सैकड़ों बरस से

प्रसंग:
यह काव्यांश शहर के स्थायित्व, उसकी संरचना और वहां की धारा को दर्शाता है। कवि ने शहर की शांत और स्थिर लय को व्यक्त किया है, जहाँ समय की गति धीमी और स्थिर है। शहर की धूल, लोगों की चाल, घंटे की आवाज, और शाम की धीमी प्रक्रिया को कवि ने एक स्थिर और संयमित दृश्य में प्रस्तुत किया है।

व्याख्या:
काव्यांश शहर के स्थिर और नियमित जीवन को चित्रित करता है। कवि ने शहर की धूल और वहां के विभिन्न घटकों की धीमी गति का उल्लेख किया है, जिससे यह महसूस होता है कि शहर का जीवन धीरे-धीरे और स्थिरता से चलता है। यह धीरे-धीरे होने की लय और दृढ़ता को व्यक्त करता है, जिसमें कुछ भी अस्थिर नहीं होता।

कवि ने गंगा नदी और तुलसीदास की खड़ाऊँ का भी उल्लेख किया है, जो शहर के स्थायित्व और समय की निरंतरता को दर्शाते हैं। गंगा वही है, नाव वही बंधी है, और तुलसीदास की खड़ाऊँ सैकड़ों वर्षों से वही रखी है। यह सब मिलकर यह दिखाता है कि शहर एक ठहराव और स्थिरता की स्थिति में है, जहाँ समय और घटनाएँ धीरे-धीरे होती हैं और कुछ भी हिलता या गिरता नहीं है।

collegedunia
India's largest Student Review Platform

Q.13. निम्नलिखित गद्यांशों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किसी एक गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

(क) दुरंत जीवन-शक्ति है। कठिन उपदेश है। जीना भी एक कला है, लेकिन कला ही नहीं, तपस्या है। जियो तो प्राण ढाल दो ज़िंदगी में, मन ढाल दो जीवनरस के उपकरणों में। ठीक है, लेकिन क्यों ? क्या जीने के लिए जीना ही बड़ी बात है? सारा संसार अपने मतलब के लिए ही तो जी रहा है। याज्ञवल्क्य बहुत बड़े ब्रह्मवादी ऋषि थे। उन्होंने अपनी पत्नी को विचित्र भाव से समझाने की कोशिश की कि सब कुछ स्वार्थ के लिए है। पुत्र के लिए पुत्र प्रिय नहीं होता, पत्नी के लिए पत्नी प्रिया नहीं होती सब अपने मतलब के लिए प्रिय होते हैं।
अथवा

(ख) पीतल की पंचमंजिली नीलांजलि गरम हो उठी है। पुजारी नीलांजलि को गंगाजल से स्पर्श कर, हाथ में लिपटे अँगोछे को नामालूम ढंग से गीला कर लेते हैं। दूसरे यह दृश्य देखने पर मालूम होता है वे अपना संबोधन गंगाजी के गर्भ तक पहुँचा रहे हैं। पानी पर सहस्र बाती वाले दीपकों की प्रतिच्छवियाँ झिलमिला रही हैं। पूरे वातावरण में अगरु-चंदन की दिव्य सुगंध है। आरती के बाद बारी है संकल्प और मंत्रोच्चार की। भक्त आरती लेते हैं, चढ़ावा चढ़ाते हैं। स्पेशल भक्तों से पुजारी ब्राह्मण-भोज, दान, मिष्ठान की धनराशि कबुलवाते हैं। आरती के क्षण इतने भव्य और दिव्य रहे हैं कि भक्त हुज्जत नहीं करते। खुशी-खुशी दक्षिणा देते हैं। पंडित जी प्रसन्न होकर भगवान के गले से माला उतार-उतारकर यजमान के गले में डालते हैं। फिर जी खोलकर देते हैं प्रसाद, इतना कि अपना हिस्सा खाकर भी ढेर सा बच रहता है, बाँटने के लिए।

Solution. सप्रसंग व्याख्या:

गद्यांश में जीवन की जटिलता और उसके उद्देश्य पर प्रकाश डाला गया है। लेखक का कहना है कि जीवन केवल जीवित रहना नहीं है, बल्कि इसे एक कला और तपस्या के रूप में जीना चाहिए। जीवन का सार तब समझ में आता है जब हम इसे पूरी तरह से, मन और प्राण से जीते हैं।

लेखक याज्ञवल्क्य के दृष्टिकोण को प्रस्तुत करते हैं, जिन्होंने अपने समय की पारंपरिक सोच को चुनौती दी। उन्होंने यह समझाने की कोशिश की कि दुनिया में हर व्यक्ति अपनी-अपनी स्वार्थ सिद्धि के लिए जीता है। इस दृष्टिकोण से, किसी भी रिश्ते का महत्व तब तक होता है जब तक वह व्यक्तिगत स्वार्थ को पूरा करता है। पुत्र या पत्नी का प्रेम भी

collegedunia
India's largest Student Review Platform

इसी स्वार्थ का परिणाम होता है। यह विचार हमें जीवन की सतही परतों से परे जाकर उसकी गहराई को समझने की प्रेरणा देता है।

इस गद्यांश के माध्यम से लेखक ने यह चुनौतीपूर्ण विचार प्रस्तुत किया है कि जीवन को केवल जीवित रहने तक सीमित न मानें, बल्कि इसे एक गहरी समझ और वास्तविक उद्देश्य के साथ जीना चाहिए।

(ख) सप्रसंग व्याख्या:

गद्यांश एक धार्मिक अनुष्ठान का वर्णन करता है, जिसमें पूजा के भव्य और दिव्य माहौल को जीवंतता से प्रस्तुत किया गया है। इसमें पीतल की पंचमंजिली नीलांजलि, गंगाजल, दीपक, अगरु-चंदन की सुगंध, और आरती का अनुष्ठान प्रमुख रूप से वर्णित है।

वर्णन की गहराई:
1. धार्मिक अनुष्ठान की भव्यता: गद्यांश में पूजा के दौरान की गई भव्य तैयारियों और आचारों का विवरण है। पुजारी द्वारा नीलांजलि को गंगाजल से स्पर्श करना और अँगोछे को गीला करना दर्शाता है कि यह प्रक्रिया कितनी श्रद्धा और सम्मान के साथ की जाती है।

2. पारंपरिक और दिव्य माहौल: वातावरण में दीपकों की झिलमिलाहट और अगरु-चंदन की सुगंध पूजा के धार्मिक महत्व को और भी बढ़ा देती है। ये विवरण इस बात को स्पष्ट करते हैं कि धार्मिक अनुष्ठान न केवल एक आध्यात्मिक गतिविधि है, बल्कि एक सांस्कृतिक और सामाजिक आयोजन भी है।

3. भक्तों की भागीदारी और दान: भक्तों द्वारा चढ़ावा चढ़ाना, दक्षिणा देना और पुजारी द्वारा प्रसाद वितरण इस बात को दर्शाता है कि धार्मिक समारोह में भक्तों की भागीदारी और दान का कितना महत्वपूर्ण स्थान होता है। पुजारी की प्रसन्नता और प्रसाद का बंटवारा भी भक्तों के साथ एक गहरे संबंध को इंगित करता है।

इस गद्यांश के माध्यम से लेखक ने धार्मिक अनुष्ठान की भव्यता और उसकी सांस्कृतिक महत्ता को जीवंत रूप में चित्रित किया है। यह हमें धार्मिक क्रियाओं के प्रति श्रद्धा, पारंपरिक अनुष्ठानों की गहराई, और भक्तों की भूमिका की एक समग्र झलक प्रदान करता है।

(पूरक पाठ्य-पुस्तक पर आधारित प्रश्न)

collegedunia
India's largest Student Review Platform

Q.14. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किसी एक प्रश्न का उत्तर लगभग **60** शब्दों में लिखिए **:**

(क) **'**माँ के अंक में लिपटकर माँ का दूध पीना जड़ के चेतन होने की यात्रा मानव जन्म लेने की सार्थकता है।**'** इस कथन का आशय **'**बिस्कोहर की माटी**'** पाठ के आधार पर सिद्ध कीजिए ।

अथवा

(ख) **'**अपना मालवा खाऊ **....'** पाठ से उद्धत पंक्ति **'**नदी का सदानीरा रहना जीवन के स्रोत का सदा जीवित रहना है।**'** के संदर्भ में नदियों का जीवन में महत्त्व स्पष्ट कीजिए । मनुष्य नदियों को क्षति कैसे पहुँचा रहा है **?**

Solution. (क) "बिस्कोहर की माटी' में कहानी के केंद्र में बिस्कोहर नामक एक साधू है, जो गाँव की माटी से जुड़ी पुरानी स्मृतियों और धार्मिकता को निभाते हुए जीवन जीता है। उसकी ज़िंदगी का मूल तत्व उस माटी से जुड़ा हुआ है, जो उसे जीवन की ऊर्जा और चेतना प्रदान करता है।

जब बिस्कोहर अपनी माटी को छोड़कर नए स्थान पर जाता है, तो वह अपनी जड़ों से कट जाता है। यह संदर्भ "माँ के अंक में लिपटकर माँ का दूध पीना" के समान है। यथार्थ में, मानव जीवन की सार्थकता उसके मूल से जुड़ी रहती है, और माँ के अंक में लिपटकर दूध पीना जीवन की पहली अवस्था को दर्शाता है, जहां वह जड़ता से चेतना की ओर बढ़ता है। इसी तरह, बिस्कोहर की माटी उसकी चेतना का स्रोत है, और उसका जीवन वहीं सार्थक होता है।

इस प्रकार, 'बिस्कोहर की माटी' कहानी में माटी की महत्वपूर्ण भूमिका बताती है कि जड़ से चेतना की ओर बढ़ना ही जीवन की यात्रा की सार्थकता है।

(ख) नदियाँ जीवन के स्रोत होती हैं क्योंकि वे जल, जीवन की मूलभूत आवश्यकता, प्रदान करती हैं। उनका सदानीरा रहना सुनिश्चित करता है कि जल का निरंतर प्रवाह बना रहे, जिससे कृषि, पीने का पानी, और पारिस्थितिकी तंत्र की विविधता बनी रहती है।

मनुष्य नदियों को क्षति विभिन्न तरीकों से पहुँचा रहा है। औद्योगिकीकरण, जलवायु परिवर्तन, और अति जल दोहन के कारण नदियों के जलस्तर में कमी आ रही है। नदी तटों

collegedunia
India's largest Student Review Platform

पर अतिक्रमण और प्रदूषण ने भी नदियों की गुणवत्ता और पारिस्थितिक तंत्र को नुकसान पहुँचाया है, जिससे नदियों की जीवनदायिनी भूमिका खतरे में है।

collegedunia
India's largest Student Review Platform